Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

18 अक्टूबर 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. NSO ने सितंबर 2025 के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) बुलेटिन जारी किया: भारत की बेरोजगारी दर बढ़कर 5.2% हो गई।

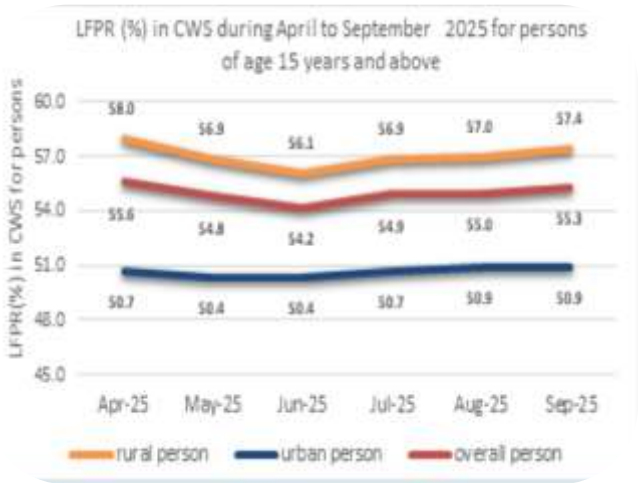

15 अक्टूबर, 2025 को, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने "आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) मासिक बुलेटिन - सितंबर 2025" जारी किया। यह रिपोर्ट भारत की समग्र बेरोज़गारी दर (UR) में मामूली वृद्धि को उजागर करती है और श्रम भागीदारी एवं कार्यबल अनुपात में प्रमुख रुझान प्रदान करती है।

• PLFS सितंबर 2025 बुलेटिन के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए भारत की समग्र बेरोजगारी दर (UR) अगस्त 2025 में 5.1% की तुलना में थोड़ी बढ़कर 5.2% हो गई। यह वृद्धि देश भर में बेरोजगारी में लगातार दो महीनों की गिरावट के बाद हुई है।

• ग्रामीण बेरोज़गारी दर अगस्त के 4.3% से बढ़कर सितंबर 2025 में 4.6% हो गई, जबकि शहरी बेरोज़गारी दर 6.7% से मामूली बढ़कर 6.8% हो गई। ये बदलाव मौजूदा आर्थिक समायोजनों के बीच ग्रामीण रोज़गार के अवसरों में मामूली गिरावट का संकेत देते हैं।

• शहरी क्षेत्रों में महिला बेरोजगारी दर 8.9% से बढ़कर 9.3% हो गई, जिससे सितंबर 2025 में समग्र महिला बेरोजगारी दर 5.5% हो गई। पुरुष बेरोजगारी दर में भी मामूली वृद्धि हुई - ग्रामीण क्षेत्रों में 4.5% से 4.7% और शहरी क्षेत्रों में 5.9% से 6.0%।

Key Points:-

(i) समग्र LFPR पाँच महीने के उच्चतम स्तर 55.3% पर पहुँच गया, जो जून 2025 के 54.2% से बढ़कर लगातार तीसरी मासिक वृद्धि दर्शाता है। ग्रामीण LFPR 56.1% से बढ़कर 57.4% हो गया, जबकि शहरी LFPR 50.9% पर स्थिर रहा। उल्लेखनीय रूप से, ग्रामीण कार्यबल विस्तार के कारण, महिला LFPR बढ़कर 34.1% हो गई, जो मई 2025 के बाद से सबसे अधिक है।

(ii) 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए भारत का श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) सितंबर 2025 में 52.4% था।

(iii) ग्रामीण WPR 54.8% था, जो शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक मजबूत रोजगार अवशोषण को दर्शाता है, जहां WPR 47.4% पर रहा, जो स्थिर भागीदारी स्तरों के बावजूद लगातार शहरी नौकरी चुनौतियों का संकेत देता है।

2. ए.आर. रहमान ने AI-संचालित मेटाह्यूमन डिजिटल अवतार बैंड "सीक्रेट माउंटेन" लॉन्च करने के लिए गूगल क्लाउड के साथ सहयोग किया।

अक्टूबर 2025 में, ऑस्कर और ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने गूगल द्वारा प्रदान की जाने वाली क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाओं के एक समूह, गूगल क्लाउड के साथ साझेदारी की और "सीक्रेट माउंटेन" विकसित किया। यह एक अभिनव एआई-संचालित मेटाह्यूमन डिजिटल अवतार बैंड है जो इमर्सिव मनोरंजन अनुभवों के लिए कहानी कहने, संगीत और जीवंत डिजिटल अवतारों का संयोजन करता है।

- **सीक्रेट माउंटेन कहानी कहने, विविध संगीत शैलियों और इंटरैक्टिव डिजिटल अवतारों को एकीकृत करके एक अनूठा मनोरंजन अनुभव प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य दर्शकों के संगीत और आभासी प्रदर्शनों से जुड़ाव को फिर से परिभाषित करना है।**

Key Points:-

(i) यह परियोजना कई घटकों के साथ Google क्लाउड की AI तकनीक का लाभ उठाती है: यथार्थवादी अवतारों और रीयल-टाइम वीडियो निर्माण के लिए Veo 3, उच्च-गुणवत्ता वाले दृश्यों के लिए Imagen और Gemini Flash 2.5 (Nano Banana), और प्रशंसकों के साथ रीयल-टाइम इंटरैक्शन को सक्षम करने के लिए अवतारों के "दिमाग" के रूप में कार्य करने वाला Gemini 2.5 Pro।

(ii) डिजिटल अवतार: बैंड में छह विविध डिजिटल अवतार शामिल हैं, जिनमें आयरिश गायिका-गीतकार कारा, तमिल रैपर ज़ेन टैम और अफ्रीकी तालवादक एवं गायिका ब्लेसिंग शामिल हैं, जो वैश्विक संगीत विविधता और व्यक्तिगत प्रशंसक जुड़ाव को प्रदर्शित करते हैं।

INTERNATIONAL

1. हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025: भारतीय पासपोर्ट 85वें स्थान पर, सिंगापुर शीर्ष पर।

15 अक्टूबर, 2025 को, निवेश प्रवास में विशेषज्ञता रखने वाली एक ब्रिटिश कंसल्टेंसी, हेनले एंड पार्टनर्स ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 ग्लोबल रैंकिंग जारी की। नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, भारतीय पासपोर्ट जुलाई 2025 के 77वें स्थान से फिसलकर 85वें स्थान पर आ गया है, जिससे 57 देशों में वीज़ा-मुक्त या आगमन पर वीज़ा की सुविधा मिलती है, जो मॉरीशस के बराबर है।

- **सिंगापुर सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट स्थान पर बना हुआ है, जो 227 गंतव्यों में से 193 तक वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान करता है, इसके बाद जापान और दक्षिण कोरिया का स्थान है, जो संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।**

• जापान को 189 के वीजा-मुक्त स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रखा गया है, जो सिंगापुर से सिर्फ एक कम है।

• जर्मनी, इटली, लक्जमबर्ग, स्पेन और स्विट्जरलैंड 188 के वीजा-मुक्त स्कोर के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, आयरलैंड और नीदरलैंड संयुक्त रूप से 187 के स्कोर के साथ 5वें स्थान पर हैं।

Key Points:-

(i) संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने सबसे महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो जुलाई 2025 से 10वें स्थान से 8वें स्थान पर आ गया है, तथा अब 184 गंतव्यों तक पहुंच प्रदान कर रहा है।

(ii) ब्रिटेन 2025 में विश्व स्तर पर 8वें स्थान पर होगा, जो उसके पिछले उच्च स्थान से गिरावट को दर्शाता है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका, जो 2014 में शीर्ष स्थान पर था, 12वें स्थान पर आ गया है, जो 20 वर्षों में पहली बार है कि वह शीर्ष 10 से बाहर हो गया है।

(iii) भारतीय पासपोर्ट का 85वें स्थान पर आना इसकी सीमित वीजा-मुक्त पहुंच (57 देशों) को दर्शाता है, जो इसे मॉरीशस के साथ जोड़ता है, जो वैश्विक गतिशीलता में भारतीय नागरिकों के लिए निरंतर चुनौती का संकेत देता है।

2. IUCN विश्व संरक्षण कांग्रेस 2025 अबू धाबी में आयोजित हुई और भारत ने राष्ट्रीय रेड लिस्ट रोडमैप लॉन्च किया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) विश्व संरक्षण कांग्रेस 2025 का आयोजन 9 से 15 अक्टूबर, 2025 तक अबू धाबी राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (ADNEC), संयुक्त अरब अमीरात में किया गया, जिसका विषय था "परिवर्तनकारी संरक्षण को सशक्त बनाना", जिसका ध्यान वैश्विक स्तर पर प्रकृति और लोगों के लिए प्रभावशाली निर्णयों और पहलों को आगे बढ़ाने पर था।

• महामहिम रज़ान खलीफा अल मुबारक को दूसरे कार्यकाल के लिए IUCN अध्यक्ष के रूप में पुनः निर्वाचित किया गया, तथा वे वैश्विक संरक्षण रणनीतियों का मार्गदर्शन करने के लिए IUCN आयोगों और परिषद के नव निर्वाचित सदस्यों के साथ काम करना जारी रखेंगी।

• पनामा गणराज्य को सितंबर 2027 में अगले IUCN विश्व संरक्षित और संरक्षित क्षेत्र कांग्रेस की मेजबानी के लिए चुना गया, जो संरक्षित क्षेत्र एजेंडा के लिए अग्रणी वैश्विक मंच के रूप में कार्य करेगा।

• IUCN ने चौथी विश्व धरोहर आउटलुक रिपोर्ट जारी की, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि जलवायु परिवर्तन से दुनिया भर में 43% प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थलों को खतरा है, तथा संरक्षण कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया।

Key Points:-

(i) आर्मेनिया IUCN का एक राज्य सदस्य बन गया,

जो वैश्विक स्तर पर जैव विविधता संरक्षण और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

(ii) कांग्रेस के दौरान, केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने भारत की पहली राष्ट्रीय रेड लिस्ट रोडमैप का अनावरण किया, जिसमें भारत की लुप्तप्राय प्रजातियों की पहली रेड लिस्ट शामिल है, जिसमें भारतीय वनस्पतियों और जीवों की संरक्षण स्थिति की निगरानी के लिए राष्ट्रीय रेड लिस्ट आकलन (NRLP) 2025-2030 के लिए एक रणनीतिक योजना निर्धारित की गई है।

(iii) 10 अक्टूबर, 2025 को, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व, असम की फील्ड निदेशक डॉ. सोनाली घोष, वन्यजीव संरक्षण में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए, IUCN WCPA केंटन आर. मिलर पुरस्कार की पहली भारतीय प्राप्तकर्ता बनीं।

3. दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए 78वां WHO क्षेत्रीय समिति सत्र कोलंबो में आयोजित हुआ और SEAR देशों ने स्वस्थ वृद्धावस्था पर कोलंबो घोषणा को अपनाया।

दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) क्षेत्रीय समिति (RC78) का 78वाँ सत्र 13 से 15 अक्टूबर, 2025 तक श्रीलंका के कोलंबो में श्रीलंका की स्वास्थ्य मंत्री नलिंदा जयतिस्सा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय स्वास्थ्य नेताओं ने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र (SEAR) में स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया।

• सत्र का औपचारिक उद्घाटन श्रीलंका की संसद के अध्यक्ष जगत विक्रमरत्ने ने किया, जिसके साथ ही SEAR देशों के मंत्रियों, विशेषज्ञों और WHO अधिकारियों की भागीदारी वाली उच्च स्तरीय स्वास्थ्य नीति चर्चाओं की शुरुआत हुई।

• सम्मेलन में विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक (DG) डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस और विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय (SEARO) की प्रभारी अधिकारी डॉ. कैथरीना बोहेम के साथ-साथ क्षेत्र के सदस्य देशों के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों ने भाग लिया।

• भारत का प्रतिनिधित्व अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय राज्य मंत्री (MoS), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (GoI) ने किया। उनकी भागीदारी ने क्षेत्रीय स्वास्थ्य सहयोग को मज़बूत करने और दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया में जन स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए एक सामूहिक प्रतिक्रिया तंत्र को आगे बढ़ाने में भारत के नेतृत्व को रेखांकित किया।

Key Points:-

(i) सत्र का समापन "मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (PHC) के माध्यम से स्वस्थ वृद्धावस्था" पर कोलंबो घोषणा को सर्वसम्मति से अपनाने के साथ हुआ, जिसमें वृद्धों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के महत्व पर बल दिया गया क्योंकि SEAR में वृद्ध आबादी 2050 तक दोगुनी होने का अनुमान है।

(ii) घोषणापत्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र-उन्मुख स्वास्थ्य प्रणालियों में स्वस्थ वृद्धावस्था को एकीकृत करने का आह्वान किया गया है, जिससे रोकथाम और संवर्धन से लेकर पुनर्वास

और उपशामक देखभाल तक सभी स्तरों पर सुलभ, न्यायसंगत और आयु-संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा दिया जा सके।

(iii) सत्र में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC), डिजिटल स्वास्थ्य नवाचारों और महामारी की तैयारी के लिए SEAR की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया, जिससे पूरे क्षेत्र में लचीली, समावेशी और जन-केंद्रित स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के WHO के मिशन को बल मिला।

4. द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत-पनामा अंतर-संसदीय मैत्री समूह की स्थापना की गई।

अक्टूबर 2025 में, पनामा स्थित भारतीय दूतावास ने पनामा की राष्ट्रीय सभा में 20 सदस्यीय भारत-पनामा अंतर-संसदीय मैत्री समूह की स्थापना की घोषणा की, जो दोनों देशों के बीच राजनयिक और संसदीय जुड़ाव में एक नया मील का पत्थर साबित होगा।

- **भारत और पनामा के बीच संसदीय और राजनीतिक सहयोग को गहरा करने के प्रतीक के रूप में अंतर-संसदीय मैत्री समूह को आधिकारिक रूप से शुरू करने के लिए पनामा की राष्ट्रीय असेंबली में एक औपचारिक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।**
- **समारोह में पनामा में भारत के राजदूत सुमित सेठ, विदेश संबंध आयोग के अध्यक्ष वाल्किरिया चांडलर, तथा मैत्री समूह के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने वाले जॉर्ज ब्लोइस उपस्थित थे।**

Key Points:-

(i) नवगठित समूह में पनामा की नेशनल असेंबली के 20 सदस्य शामिल हैं, जो विभिन्न राजनीतिक संबद्धताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, ताकि भारतीय संसद के साथ द्विपक्षीय पहल और वार्ता के लिए व्यापक समर्थन सुनिश्चित किया जा सके।

(ii) इस पहल का उद्देश्य प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, व्यापार और सतत विकास सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाना, दोनों देशों के बीच मजबूत संस्थागत सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

(iii) इस मैत्री समूह की स्थापना, पनामा द्वारा भारत को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में मान्यता दिए जाने को रेखांकित करती है, जिससे लैटिन अमेरिका में भारत की भागीदारी और मजबूत होगी तथा संसदीय कूटनीति और लोगों के बीच संबंधों के माध्यम से पारस्परिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

BANKING & FINANCE

1. भारत का गिफ्ट सिटी वैश्विक वित्तीय केंद्र सूचकांक (GFCI 38) में 43वें स्थान पर पहुँचा।

अक्टूबर 2025 में, शेन्ज़ेन स्थित चाइना डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (CDI) और लंदन स्थित Z/Yen पार्टनर्स ने वैश्विक वित्तीय केंद्र सूचकांक (GFCI 38) का 38वाँ संस्करण जारी किया। भारत के गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) ने अपनी रैंकिंग 46वें से सुधार कर 43वें स्थान पर पहुँची, जो भारत की बढ़ती वैश्विक वित्तीय प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है।

• GFCI विश्व बैंक, OECD और संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा प्रदान किए गए 140 महत्वपूर्ण कारकों का उपयोग करके दुनिया भर के 135 वित्तीय केंद्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता का मूल्यांकन करता है।

• न्यूयॉर्क (अमेरिका) 766 अंकों के साथ सूचकांक में शीर्ष पर रहा, उसके बाद लंदन (UK) 765 अंकों के साथ और हांगकांग (चीन) 764 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

Key Points:-

(i) भारत का GIFT सिटी पिछले संस्करण से तीन स्थान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर रहा, जबकि मुंबई और नई दिल्ली क्रमशः 71वें और 84वें स्थान पर रहे।

(ii) एशिया-प्रशांत क्षेत्र ने मज़बूत वृद्धि दिखाई, जिसके छह केंद्र वैश्विक शीर्ष 15 में शामिल हुए। लाबुआन (मलेशिया) ने 60वें स्थान पर शुरुआत की और बीजिंग (चीन) ने रैंकिंग में फिर से प्रवेश किया।

(iii) यह रैंकिंग 4,877 उत्तरदाताओं के 28,549 मूल्यांकनों पर आधारित थी, जिसमें व्यावसायिक वातावरण, बुनियादी ढाँचा, मानव पूँजी और फिनटेक नवाचार जैसे कारक शामिल थे।

MOUs and Agreement

1. DRDO ने अपने प्रतिष्ठानों में 300 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाएं विकसित करने के लिए SECI के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

15 अक्टूबर, 2025 को, रक्षा मंत्रालय (MoD) के अधीन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने भारत में DRDO परिसरों में 300 मेगावाट सौर-आधारित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ स्थापित करने हेतु नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) के अधीन भारतीय सौर ऊर्जा निगम (SECI) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

• MoU का उद्देश्य DRDO सुविधाओं के भीतर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाना और पूरे भारत में रक्षा अवसंरचना में स्थायी और स्वच्छ ऊर्जा प्रथाओं को बढ़ावा देना है।

• MoU आदान-प्रदान समारोह DRDO भवन, नई दिल्ली में रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और DRDO के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत और MNRE के सचिव संतोष कुमार सारंगी की उपस्थिति में हुआ।

Key Points:-

(i) इस सहयोग का लक्ष्य 2027 तक सभी रणनीतिक DRDO स्थानों पर शुद्ध-शून्य ऊर्जा परिसरों का निर्माण करना है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने और हरित प्रौद्योगिकी अपनाने को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

(ii) यह साझेदारी रक्षा प्रतिष्ठानों में नवीकरणीय ऊर्जा को एकीकृत करके भारत के राष्ट्रीय स्थिरता लक्ष्यों को

सुदृढ़ करती है, और सरकारी कार्यों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय प्रबंधन प्राप्त करने के व्यापक दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

2. पारस डिफेंस ने इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम और FOG-आधारित इनर्शियल सॉल्यूशंस के लिए इज़राइल की कंपनी CIELO के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अक्टूबर 2025 में, भारत की एक प्रमुख रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रकाशिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युतचुंबकीय कंपनी, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (PARAS) ने भारत में इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम (INS) और क्लोज्ड-लूप फाइबर ऑप्टिक जाइरोस्कोप (FOG)-आधारित इनर्शियल सॉल्यूशंस के संयुक्त विकास, विपणन और उत्पादन हेतु इज़राइल स्थित कंपनी CIELO के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

- **PARAS और CIELO भारत के रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों को समर्थन देते हुए उन्नत इनर्शियल सेंसरों के अनुकूलन, विपणन, बिक्री और उत्पादन के अवसरों को बढ़ावा देने और उनका लाभ उठाने के लिए अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे।**

Key Points:-

(i) INS नेविगेशन उपकरण हैं जो एक्सेलेरोमीटर, जाइरोस्कोप और ऑनबोर्ड कंप्यूटर का उपयोग करके किसी गतिशील वस्तु की स्थिति, अभिविन्यास और वेग की गणना बाहरी संकेतों पर निर्भर किए बिना करते हैं, जिससे ये रक्षा और एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

(ii) यह साझेदारी क्लोज्ड-लूप फाइबर ऑप्टिक जाइरोस्कोप (FOG)-आधारित प्रणालियों पर केंद्रित होगी, जो जटिल वातावरण में नेविगेशन के लिए उच्च परिशुद्धता, विश्वसनीयता और मजबूती प्रदान करती हैं, जिससे भारत की स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी क्षमताओं में वृद्धि होती है।

3. डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन ने भारतीय विश्वविद्यालयों में तीन नई डॉ. अंबेडकर पीठों की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

15 अक्टूबर, 2025 को, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (MoSJ&E) के तहत डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता पर अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन नए डॉ. अंबेडकर पीठ स्थापित करने के लिए मुंबई विश्वविद्यालय (महाराष्ट्र), जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (राजस्थान) और जीबी पंत प्रौद्योगिकी और कृषि विश्वविद्यालय (उत्तराखंड) के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

• हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने की और इसमें सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सचिव अमित यादव, वरिष्ठ अधिकारी, विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि और डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन के सदस्य शामिल हुए। यह समारोह नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (DAIC) में आयोजित किया गया था।

• इन तीन पीठों के जुड़ने से भारत में कार्यरत डॉ. अंबेडकर पीठों की कुल संख्या अब 28 हो गई है, जिससे अनुसंधान और शैक्षिक कार्यक्रमों का विस्तार संभव हो सकेगा।

Key Points:-

(i) नए पीठ अंतःविषयक अनुसंधान, नीतिगत चर्चाओं और शैक्षिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देंगे, जो डॉ. बी. आर. अंबेडकर की विरासत और आदर्शों पर केंद्रित होंगे, विशेष रूप से सामाजिक न्याय, समानता, हाशिए पर रहने वाले समुदायों के सशक्तिकरण और संवैधानिक मूल्यों के क्षेत्रों में।

(ii) डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है, जिसकी स्थापना शिक्षा, अनुसंधान, वकालत और सार्वजनिक पहुंच में पहल के माध्यम से डॉ. बी. आर. अंबेडकर की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए की गई है, जो एक समतामूलक समाज के उनके दृष्टिकोण को सुदृढ़ करता है।

IMPORTANT DAYS

1. ग्लोबल हैंडवाशिंग डे (GHD) 2025: "हैंडवाशिंग हीरो बनें!" 15 अक्टूबर को मनाया गया।

साबुन और पानी से हाथ धोने के महत्व को बढ़ावा देने के लिए, जो संक्रमणों से बचाव का एक सरल और किफ़ायती तरीका है, वैश्विक हाथ धुलाई दिवस (GHD) प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को मनाया जाता है। 2025 में, यह दिवस 18वाँ GHD दिवस होगा, जो व्यक्तियों और समुदायों दोनों के लिए जीवन रक्षक उपाय के रूप में हाथों की स्वच्छता पर ज़ोर देता है।

• 2025 का विषय है "हैंडवाशिंग हीरो बनें!", जो बीमारियों को रोकने और सामुदायिक स्वास्थ्य की रक्षा में निरंतर हाथ स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है।

• ग्लोबल हैंडवाशिंग पार्टनरशिप (GHP) द्वारा अगस्त 2008 में स्टॉकहोम, स्वीडन में वार्षिक विश्व जल सप्ताह (17-23 अगस्त 2008) के दौरान जीएचडी की शुरुआत की गई थी। पहला GHD 15 अक्टूबर 2008 को मनाया गया, जिसने इसे हाथ की स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने की एक वार्षिक वैश्विक पहल के रूप में स्थापित किया।

• GHD के अलावा, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में प्रमुख संक्रमण-रोकथाम उपाय के रूप में हाथ धोने के महत्व को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष 5 मई को विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाता है।

Key Points:-

(i) GHP सार्वजनिक और निजी हितधारकों का एक

अंतरराष्ट्रीय गठबंधन है जो साबुन से हाथ धोने की वकालत करता है। इसका उद्देश्य जन स्वास्थ्य में सुधार, संक्रमणों की रोकथाम और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए हाथों की स्वच्छता को सुलभ, किफायती और प्रभावी बनाना है।

(ii) हाथों को अच्छी तरह धोना बेहद ज़रूरी है क्योंकि लगभग 80% संक्रामक रोग गंदे हाथों से फैलते हैं। कम से कम 20 सेकंड तक साबुन से हाथ धोने से इन्फ्लूएंजा, कोविड-19 और नोरोवायरस जैसी बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है।

(iii) सर्वेक्षणों से पता चलता है कि 62% लोग जानते हैं कि 20 सेकंड तक हाथ धोना पर्याप्त है, जबकि 13% लोग इस आवश्यक समय को कम आंकते हैं और 24% लोग इसे अधिक आंकते हैं; पुरुषों में इसे कम आंकने की संभावना थोड़ी अधिक है।

2. विश्व छात्र दिवस 2025 डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के सम्मान में 15 अक्टूबर को मनाया गया।

विश्व छात्र दिवस (WSD) प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को भारत के 11वें राष्ट्रपति (2002-2007) और "भारत के मिसाइल मैन" डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह दिन छात्रों का सम्मान करता है और समाज को आकार देने में शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालता है।

• डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को रामेश्वरम, तमिलनाडु में हुआ था। उन्होंने अपनी साधारण शुरुआत से आगे बढ़कर एक विश्व स्तर पर सम्मानित वैज्ञानिक और नेता के रूप में उभरे, जिन्होंने कई पीढ़ियों के छात्रों को प्रेरित किया।

• डॉ. कलाम एक प्रतिष्ठित एयरोस्पेस वैज्ञानिक थे, जिन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) में प्रमुख योगदान दिया और भारत के मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

• उन्होंने 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया, जिन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) द्वारा मनोनीत किया गया था। उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की विशेषता युवाओं से जुड़ने और शिक्षा, नवाचार और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के प्रयास थे।

Key Points:-

(i) डॉ. कलाम को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले, जिनमें सिविल सेवा में पद्म भूषण (1981), विज्ञान और इंजीनियरिंग में पद्म विभूषण (1990) और विज्ञान और इंजीनियरिंग में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न (1997) शामिल हैं।

(ii) 2025 का विषय, "छात्रों को नवाचार और परिवर्तन के एजेंट के रूप में सशक्त बनाना", छात्रों को नवाचार करने, नेतृत्व करने और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के डॉ. कलाम के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

(iii) 15 अक्टूबर 2025 को उनकी 94वीं जयंती होगी, जिसका विषय है “छात्रों को नवाचार और परिवर्तन के एजेंट के रूप में सशक्त बनाना।”

DEFENCE

1. भारत और इंडोनेशिया ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'समुद्र शक्ति 2025' का 5वां संस्करण शुरू किया।

अक्टूबर 2025 में, भारतीय नौसेना (IN) और इंडोनेशियाई नौसेना (TNI AL) ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में अपने द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'समुद्र शक्ति 2025' का पाँचवाँ संस्करण शुरू किया। 14-17 अक्टूबर, 2025 तक चलने वाले इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों हिंद-प्रशांत देशों के बीच अंतर-संचालन, आपसी विश्वास और समुद्री सुरक्षा सहयोग को मज़बूत करना है।

• 'समुद्र शक्ति 2025' एक द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है जिसे भारत और इंडोनेशिया के बीच समुद्री साझेदारी और परिचालन समन्वय को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

• 2025 का संस्करण दो अलग-अलग चरणों में आयोजित किया जा रहा है - बंदरगाह चरण और समुद्री चरण। बंदरगाह चरण (14-15 अक्टूबर) में पेशेवर आदान-प्रदान, क्रॉस-डेक दौरे और विषय विशेषज्ञ आदान-प्रदान (SMEE) शामिल हैं, जबकि समुद्री चरण (16-17 अक्टूबर) में वायु रक्षा, पनडुब्बी रोधी युद्ध और हेलीकॉप्टर संचालन सहित उन्नत नौसैनिक युद्ध अभ्यास शामिल हैं।

• भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व पूर्वी नौसेना कमान (ENC) के अंतर्गत पूर्वी बेड़े का एक पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) कार्वेट, INS कवरत्ती कर रहा है। इंडोनेशिया की ओर से, केआरआई जॉन लाइ, एक कार्वेट है जो एक एकीकृत हेलीकॉप्टर से सुसज्जित है, जो दोनों देशों की बढ़ती समुद्री क्षमताओं और समुद्री निगरानी क्षमता को दर्शाता है।

Key Points:-

(i) यह अभ्यास एक्ट ईस्ट नीति (AEP) के तहत भारत की समुद्री कूटनीति का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और सहयोगात्मक समुद्री सुरक्षा पर केंद्रित है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड़ने और समुद्री आतंकवाद जैसे गैर-पारंपरिक खतरों का मुकाबला करने में नई दिल्ली और जकार्ता के बीच रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करता है।

(ii) समुद्र शक्ति श्रृंखला की शुरुआत 2018 में हुई थी, जिसका पहला संस्करण इंडोनेशिया के सुरबाया में आयोजित किया गया था। चौथा संस्करण, 17-19 मई, 2023 तक दक्षिण चीन सागर में आयोजित किया गया था। पिछले कुछ वर्षों में, यह बुनियादी समुद्री समन्वय से लेकर जटिल सामरिक युद्धाभ्यास तक विकसित हुआ है, जो दोनों नौसेनाओं के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग को दर्शाता है।

(iii) 'समुद्र शक्ति 2025' का उद्देश्य परिचालन तालमेल को बढ़ाना, संयुक्त समुद्री प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना और मानवीय सहायता, आपदा राहत (HADR) और समुद्री डोमेन जागरूकता (MDA) के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. ISRO ने 2040 तक मानवयुक्त चंद्र मिशन का लक्ष्य निर्धारित किया है तथा गगनयान प्रक्षेपण 2027 के लिए निर्धारित किया है।

अक्टूबर 2025 में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की, जिसमें 2040 तक मानवयुक्त चंद्र मिशन और 2027 में प्रक्षेपित होने वाला पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशन 'गगनयान' शामिल है।

- **ये अपडेट बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (BIT) मेसरा, रांची, झारखंड के 35वें दीक्षांत समारोह के दौरान साझा किए गए।**

- **ISRO की योजना 2026 तक तीन मानवयुक्त गगनयान मिशन संचालित करने की है, जिसमें पहला मिशन दिसंबर 2025 में होगा जिसमें व्योममित्र नामक एक अर्ध-मानव रोबोट शामिल होगा। पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशन 2027 के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रहा है।**

- **ISRO ने 2040 तक भारत का पहला मानवयुक्त चंद्र मिशन प्रक्षेपित करने का दीर्घकालिक लक्ष्य रखा है, जो देश की अंतरिक्ष अन्वेषण महत्वाकांक्षाओं में एक महत्वपूर्ण कदम है।**

Key Points:-

(i) भारत सरकार (GoI) ने शुक्र की सतह और वायुमंडल का अध्ययन करने के लिए शुक्र परिक्रमा मिशन (VOM) को मंज़ूरी दे दी है, जिससे चंद्रमा और मंगल से आगे भारत के ग्रह अन्वेषण प्रयासों का विस्तार होगा।

(ii) भारत का पहला अंतरिक्ष स्टेशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS), जिसे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) की तर्ज पर डिज़ाइन किया गया है, 2035 के लिए योजनाबद्ध है, जिसके प्रारंभिक मॉड्यूल 2027 की शुरुआत में अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है।

2. DRDO ने सैन्य लड़ाकू पैराशूट प्रणाली (MCPS) का उपयोग करते हुए 32,000 फुट की लड़ाकू फ्री-फॉल जंप सफलतापूर्वक आयोजित की।

अक्टूबर 2025 में, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम (MCPS) का उपयोग करके 32,000 फीट की ऊँचाई से सफलतापूर्वक एक लड़ाकू फ्री-फॉल जंप किया। भारतीय वायु सेना (IAF) के कर्मियों द्वारा किए गए इस परीक्षण ने इस प्रणाली के उन्नत डिज़ाइन, परिचालन दक्षता और उच्च-ऊँचाई वाले अभियानों के लिए रणनीतिक क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

- **लड़ाकू फ्री-फॉल जंप 32,000 फीट की ऊँचाई से किया गया, जिसमें पैराशूट 30,000 फीट पर तैनात थे। इस ऑपरेशन में नियंत्रित अवतरण और निर्धारित ड्रॉप ज़ोन पर सटीक लैंडिंग का प्रदर्शन किया गया।**

• यह छलांग विंग कमांडर विशाल लखेश, मास्टर वारंट ऑफिसर (MWO) आरजे सिंह और भारतीय वायुसेना के एमडब्ल्यूओ विवेक तिवारी द्वारा लगाई गई, जिसमें वास्तविक परिचालन स्थितियों में पैराशूट प्रणाली की विश्वसनीयता का प्रदर्शन किया गया।

• MCPS भारतीय सशस्त्र बलों (भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और IAF) में एकमात्र परिचालन पैराशूट प्रणाली है जो 25,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर तैनाती में सक्षम है, जिससे उच्च ऊंचाई वाले सामरिक संचालन संभव हो सके।

Key Points:-

(i) यह प्रणाली बेहतर स्टीयरिंग के साथ नियंत्रित अवतरण प्रदान करती है, जिससे सुरक्षित निकास, नेविगेशन और सटीक लैंडिंग सुनिश्चित होती है। यह भारत की स्वदेशी उपग्रह नेविगेशन प्रणाली, नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (NavIC) के साथ संगत है, जिससे यह बाहरी हस्तक्षेप या सेवा-अस्वीकृति हमलों के प्रति प्रतिरोधी है।

(ii) MCPS को DRDO प्रयोगशालाओं - एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (ADRDE), आगरा, उत्तर प्रदेश और डिफेंस बायोइंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रोमेडिकल लेबोरेटरी (DEBEL), बेंगलुरु, कर्नाटक द्वारा विकसित किया गया था - जिसमें उन्नत नेविगेशन, स्टीयरिंग और सुरक्षा विशेषताएं एकीकृत की गई थीं।

(iii) MCPS स्वदेशी पैराशूटों को बड़े पैमाने पर शामिल करने में मदद करता है, आयात पर निर्भरता कम करता है और न्यूनतम रखरखाव के साथ अधिकतम परिचालन तत्परता सुनिश्चित करता है। 32,000 फुट की यह छलांग उच्च ऊंचाई वाले उच्च उद्घाटन (HAHO) और उच्च ऊंचाई वाले निम्न उद्घाटन (HALO) संचालन के वैश्विक मानकों को पूरा करती है, जो भारत की हवाई क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

Static GK

Indonesia	राष्ट्रपति : प्रबोवो सुबियांतो जोजोहादिकुसुमो	राजधानी : जकार्ता
DRDO	अध्यक्ष: समीर वी. कामत	मुख्यालय: नई दिल्ली
Henley & Partners	मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) : डॉ. जुएर्ग स्टीफ़न	मुख्यालय : लंदन, यूनाइटेड किंगडम (UK)
International Union for Conservation of Nature (IUCN)	महानिदेशक (DG) : ग्रेथेल एगुइलर	मुख्यालय : ग्लैंड, स्विट्ज़रलैंड
WHO SEARO	क्षेत्रीय निदेशक : साइमा वाजेद	मुख्यालय: नई दिल्ली
Indian Space Research Organisation(ISRO)	अध्यक्ष : डॉ. वी. नारायणन	मुख्यालय : बेंगलुरु, कर्नाटक